पत्रिका

किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए खेती के साथ सुनियोजित पशुपालन भी अपनाएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. वैज्ञानिक भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास विषय पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण का मंगलवार को समापन हुआ। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग तथा केवीके बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता देवीसिंह भाटी ने कहा कि किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए खेती के साथ सुनियोजित पशुपालन अपनाएं। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को अधिक आय के लिए स्थानीय नस्लों के बेहतरीन पालन-पोषण और वैज्ञानिक प्रबंधन सीखने की आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय की ओर से दिया गया यह प्रशिक्षण पशुपालकों को वैज्ञानिक प्रबंधन से परिचित करवाते हुए उन्हें उद्यमिता विकास के लिए प्रेरित करेगा। भाटी ने कहा कि घटते चारागाह जैसी चुनौतियां के कारण भेड़ बकरी पालन करने के प्रति किसान -पशुपालक हतोत्साहित हैं। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सब्सिडी का पूरा लाभ किसानों को मिले, यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

रखें आपसी समन्वय

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि पशुपालकों को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलवाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक पशुपालन विभाग के अधिकारियों से आवश्यक समन्वय करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में आए पशुपालकों को प्रगतिशील किसानों के अनुभव से वैज्ञानिक पोषण एवं प्रबंधन के बारे जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि सोजत नस्ल की बकरी की शुद्ध नस्ल विकसित करवाने के लिए वैज्ञानिक पशुपालकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करें।

विजेता सम्मानित

कृषि विज्ञान केन्द्र निदेशक डॉ. नीना सरीन ने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का प्रयोग पशुपालक और किसान अपनी उद्यम में करें। पशु प्रबंधन में कोई समस्या हो तो विवि और केवीके मार्गदर्शन के लिए उपलब्ध है। इससे पहले एलपीएम निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने स्वागत उद्बोधन दिया और प्रशिक्षण की रुपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ. वी एस आचार्य ने आभार व्यक्त किया। छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से 6 से 8 फरवरी तक विवि के अधिकारी और शैक्षणिक संवर्ग के लिए आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथियों ने सम्मानित किया।

दैनिक भास्कर
बीकानेर ज़िला 19-02-2025

आय वृद्धि के लिए खेती के साथ पशुपालन से जुड़ें किसान

बीकानेर | वैज्ञानिक भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास विषय पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण का मंगलवार को समापन हुआ। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग तथा केवीके बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी ने कहा कि किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए खेती के साथ सुनियोजित पशुपालन अपनाएं। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को अधिक आय के लिए स्थानीय नस्लों के बेहतरीन पालन-पोषण और वैज्ञानिक प्रबंधन सीखने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया यह प्रशिक्षण पशुपालकों को वैज्ञानिक प्रबंधन से परिचित करवाते हुए उन्हें उद्यमिता विकास के लिए प्रेरित करेगा। भाटी ने कहा कि घटते चारागाह जैसी चुनौतियां के कारण भेड़ बकरी पालन करने के प्रति किसान -पशुपालक हतोत्साहित हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि पशुपालकों को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलवाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक पशुपालन विभाग के अधिकारियों से आवश्यक समन्वय करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में आए पशुपालकों को प्रगतिशील किसानों के अनुभव से वैज्ञानिक पोषण एवं प्रबंधन के बारे जानकारी मिली है। कृषि विज्ञान केन्द्र निदेशक डॉ. नीना सरीन ने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का प्रयोग पशुपालक और किसान अपनी उद्यम में करें। पशु प्रबंधन में कोई समस्या हो तो विश्विद्यालय और केवीके मागदर्शन के लिए उपलब्ध है। इससे पहले एलपीएम निदेशक डॉ. निर्मल सिंह दहिया ने स्वागत उद्बोधन दिया और प्रशिक्षण की रुपरेखा की विस्तृत जानकारी दी।स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ. वीएस आचार्य ने आभार व्यक्त किया।